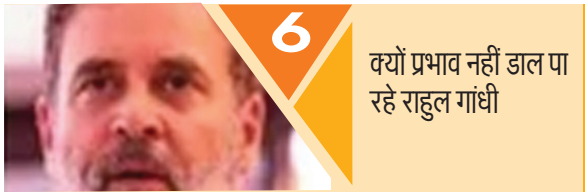


नवभारत



अभी न जाओ छोड़के ...

08 दिसंबर 1935 को हुआ था जन्म | 10 नवंबर को अस्पताल से हुए थे डिस्चार्ज | 25 दिसंबर को धर्मेन्द्र की आखिरी फिल्म होगी रिलीज

मुंबई, 24 नवंबर. दिग्गज अभिनेता धर्मेन्द्र का निधन हो गया है. 89 साल के धर्मेन्द्र ने सोमवार दोपहर अपने घर पर अंतिम सांस ली. उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान भूमि में हुआ. बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखानि दी. उनकी पत्नी और जानी मानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, पुत्री इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य अंतिम विदाई देने के लिए श्मशान स्थल पर पहुंचे थे. इसके अलावा अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान, संजय दत्त, आमिर खान समेत कई सेलेब्स भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए. धर्मेन्द्र कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे. 10 नवंबर को उन्हें सांस लेने में दिक्कत आई थी, जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैन्डी अस्पताल में भर्ती किया गया था. (शेष पेज 5 पर)

बॉलीवुड के ही-मैन का परिचय
धर्म सिंह देओल का जन्म 8 दिसंबर 1935 को हुआ था, जिन्हें धर्मेन्द्र के नाम से जाना जाता है. वे एक भारतीय अभिनेता, निर्माता और राजनीतिज्ञ थे. वो लोकसभा क्षेत्र बीकानेर के सांसद रहे हैं. धर्मेन्द्र हिंदी फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं. बॉलीवुड के ही-मैन के रूप में जाने जाने वाले धर्मेन्द्र ने पांच दशकों के करियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया है. 1997 में उन्हें हिंदी सिनेमा में योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला. वह भारत की 15वीं लोकसभा के सदस्य थे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से राजस्थान में बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे. 2012 में उन्हें भारत सरकार द्वारा भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

पीएम मोदी ने किया शोक व्यक्त
फिल्म अभिनेता धर्मेन्द्र के निधन पर पीएम मोदी ने शोक व्यक्त किया. उन्होंने धर्मेन्द्र को एक आइकॉनिक पर्सनेलटी बताया. पीएम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि धर्मेन्द्र जी के जाने से भारतीय सिनेमा का एक पूरा दौर खत्म हो गया है. वे सिर्फ एक सितारे नहीं थे, बल्कि ऐसे शानदार अभिनेता थे.

राष्ट्रपति ने भी किया दुख व्यक्त
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अभिनेता धर्मेन्द्र के निधन पर दुख जताया है. उन्होंने धर्मेन्द्र के निधन को भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी क्षति बताया. राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जाने-माने एक्टर और पूर्व सांसद धर्मेन्द्र जी का निधन सिनेमा के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है.



जस्टिस सूर्यकांत ने ली सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की शपथ

नौ फरवरी 2027 तक होगा कार्यकाल
छह देशों के न्यायाधीश और जज हुए शामिल

होगा. न्यायमूर्ति बीआर गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हुए हैं. इस बार का शपथ ग्रहण समारोह इस दृष्टि से भी ऐतिहासिक रहा, क्योंकि इसमें छह देशों-भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए. यह पहली बार है कि भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में इतना बड़ा विदेशी न्यायिक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ. शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य प्रमुख केन्द्रीय मंत्री और हस्तियां मौजूद रही.



एक नजर में
मेहुल पीएमएलए मामले में जब लिक्विडेटर को सौंपा नयी दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फरार करोड़पति मेहुल चोकसी से जुड़े मुंबई के बोरीवली स्थित परियोजना तत्व के चार प्लेटों को एक लिक्विडेटर को सौंप दिया है। संपत्तियों को बेचा जाएगा और प्राप्त धनराशि बैंकों तथा अन्य लोगों को लौटा दी जाएगी, जिन्होंने शिकायत की थी कि फरार हीरा व्यापारी की कंपनियों ने उनका पैसा वापस नहीं किया। ईडी के एक अधिकारी ने कहा, संपत्तियों की बहाली के लिए ईडी के चल रहे प्रयासों के दौरान, मुंबई जौनल कार्यालय ने परियोजना तत्व, ऊर्जा-ए विंग, बोरीवली (पूर्व), मुंबई में चार प्लेटों को सौंपने में मदद की है। मेहुल चोकसी मामले में कुर्क की गई.

तेजस दुर्घटना की जांच एजेंसियों का करेंगे सहयोग नई दिल्ली. स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने वाले रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एच ए एल) ने दुर्घटनाग्रस्त तेजस विमान की दुर्घटना के बाद अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया में दी है. कहा कि यह दुर्घटना विशेष परिस्थितियों में हुई है और उपक्रम घटना की जांच कर रही एजेंसियों को हर संभव सहयोग कर रहा है. एचएएल ने कहा है कि वह सभी को भरोसा दिलाना चाहता है कि उसके बिजनेस ऑपरेशन, वित्तीय प्रदर्शन या भविष्य की डिलीवरी पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा.



पीएम मोदी आज अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर करेंगे ध्वजारोहण

नई दिल्ली, 24 नवंबर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण पूरा होने के बाद ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, पीएम मोदी सुबह अयोध्या पहुंचेंगे, जहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनका स्वागत करेंगे. पीएम मोदी करीब 10 बजे प्रधानमंत्री सप्तमंदिर जाएंगे, जहां महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिंया, निषादराज गुहा और माता शबरी से जुड़े मंदिर हैं.



इसके बाद वे शेषावतार मंदिर जाएंगे. सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री माता अन्नपूर्णा मंदिर जाएंगे. इसके बाद वे राम दरबार गर्भ गृह में दर्शन और पूजा करेंगे, जिसके बाद वे राम लला गर्भ गृह में दर्शन करेंगे.

वीर गाथा परियोजना में 1.92 करोड़ ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली, 24 नवंबर (वार्ता) देश में सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1.92 करोड़ से अधिक स्कूली छात्रों ने प्रोजेक्ट वीर गाथा 5.0 में उत्साहपूर्वक भाग लिया है। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि प्रोजेक्ट वीर गाथा 5.0 में छात्रों ने सशस्त्र बलों के अधिकारियों और कर्मियों की वीरता और बलिदान के सम्मान में कविताएं, पेंटिंग, निबंध, वीडियो आदि प्रस्तुत किए। छात्रों को भारत के महान योद्धाओं आदिवासी विद्रोह के नायकों आदि के अव्यक्त साहस और सैन्य रणनीतियों को जानने के लिए भी प्रोत्साहित किया.

भारतीय नौसेना में 'माहे' शामिल गोपनीय मिशन, सतर्कता और अटूट संकल्प का प्रतीक है जहाज

नई दिल्ली, 24 नवंबर. 'साइलेंट हंटर' यानी एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शेलो वॉटर क्राफ्ट 'माहे' को सोमवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया. नौसेना का यह एंटी-सबमरीन जहाज गोपनीय मिशन, सतर्कता और अटूट संकल्प का प्रतीक है. नौसेना के मुताबिक 'माहे' को तटीय इलाकों में उच्च जोखिम वाले मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है. इसकी क्षमताएं इसे एक शक्तिशाली व उथले पानी का बेहतरीन योद्धा बनाती हैं. यह जहाज पनडुब्बी रोधी जैसे बड़े व



खतरनाक अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है. रक्षा मंत्रालय के मुताबिक भारतीय नौसेना के इस जहाज में इस्तेमाल की गई 80 प्रतिशत से अधिक सामग्री स्वदेशी है. माहे को अत्याधुनिक व उन्नत

सेंसर्स से लैस किया गया है. इसके साथ ही इसमें हथियार और आधुनिक इंटीग्रेशन सिस्टम मौजूद हैं. थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की मौजूदगी में यह जहाज नौसेना में शामिल किया गया. इस अवसर पर वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन समेत अन्य अधिकारी, कर्मचारी, वेटर्न्स और अन्य अतिथि मौजूद रहे. भारतीय नौसेना के मुताबिक 'माहे' नाम मालाबार तट स्थित ऐतिहासिक नगर 'माहे' पर रखा गया है. माहे को सांस्कृतिक समृद्धि और समुद्री इतिहास के लिए जाना जाता है.

सीएम ने की घोषणा | जिला और जनपद उपाध्यक्ष के सुझावों पर अमल भी किया जाएगा

सरपंचों को 25 लाख तक खर्च करने का अधिकार

प्रशासनिक संवाददाता भोपाल, 24 नवंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पंचायत संस्थाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है. जिला पंचायत और जनपद पंचायतों के उपाध्यक्ष अभी शिक्षा समितियों के अध्यक्ष होते हैं, लेकिन निरीक्षण के दौरान उनके सुझावों को शामिल नहीं किया जाता है. लेकिन अब उनके द्वारा किए विद्यालय के निरीक्षण और सुझावों को लिपिबद्ध किया जाएगा और शासन इन्हें अमल में लेकर कार्य करेगा.



राज्य सरकार ने सरपंचों को पंचायत की गतिविधियों के लिए 25 लाख रूपए तक की राशि खर्च करने का अधिकार दिया है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित

कार्यशाला का शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटर शेड विकास 2.0 के अंतर्गत वॉटर शेड महोत्सव का भी शुभारंभ किया. उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों, सहयोगी संस्थाओं और नॉलेज पार्टनर संस्थाओं को पुरस्कृत भी किया. कार्यशाला में बड़ी संख्या में जन-प्रतिनिधि, विषय-विशेषज्ञ व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे. पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग कि यह कार्यशाला 26 नवंबर तक चलेगी. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

जल गंगा संवर्धन अभियान में पुरस्कार प्राप्त करने वाले अधिकारी-कर्मचारी और संगठनों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंचायतों को पीने के पानी का प्रबंध करने का अधिकार दिया है. पंचायतें विकास का संकल्प लेकर आगे बढ़ें. निवेश और निवास को बेहतर व्यवस्था के लिए मास्टर प्लान बनाएं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश के गठन के बाद से इस कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में विधानसभा सत्र आयोजित होते थे, हमारी इच्छा है कि आप सभी नई विधानसभा तक पहुंचें.

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि यह राज्य सत्रीय कार्यशाला त्रि-स्तरीय पंचायत व्यवस्था बेहतर क्रियान्वयन के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है. विकास और जनकल्याण गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिए पंचायत प्रतिनिधियों और जिला जनपद अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है. पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की हर पंचायत में दिसम्बर 2026 तक शमशान घाट और उसके लिए सभी बुनियादी सुविधाएं जुटाने का संकल्प लिया है.

क्रि प्रेस व्यक्त किया. औबेदुल्लागंज में बायपास जोड़ के पास लोगों ने चक्काजाम किया, जिससे भोपाल-जबलपुर और बैतूल-नागपुर मार्गों पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई. स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया. एहतियातन भारी पुलिस बल मौके पर तैनात है. घटना के तीन दिन बाद भी आरोपी सलमान पुलिस की गिरफ्त से दूर है, जिससे लोगों में आक्रोश और बढ़ गया है.

हादसों में 3 बच्चों समेत 14 की मौत उत्तराखंड, तमिलनाडु और बंगाल में हुई दुर्घटनाओं में 43 घायल

नई दिल्ली, 24 नवंबर. देश के तीन राज्यों में सोमवार को तीन हादसे हुए. इन हादसों में 3 बच्चों समेत 14 की मौत हो गई. वहीं 43 घायल लोग घायल हुए. उत्तराखंड के टिहरी जिले में सोमवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया. नरेंद्रगढ़ के कुंजापुरी-हिंडोलाखाल मार्ग पर एक यात्री बस 70 मीटर गहरी खाई में गिर गई. हादसे में 5 की मौत हो गई और 13 लोग घायल हुए. तमिलनाडु के तेनकासी जिले में 2 निजी बसों की आमने-सामने टक्कर से बड़ा हादसा हो गया. दुर्घटना में 6 लोगों की मौत हो गई,



जबकि 28 यात्री घायल हुए हैं. खबरों के अनुसार, एकबस मदुरै से शेनकोट्टयई जा रही थी, जबकि दूसरी बस तेनकासी से कोविलपट्टी की ओर जा रही थी. बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया में स्कूल से लौट रहे

बच्चों की कार बेकाबू होकर सड़क से फिसली और पास के तालाब में जा गिरी. हादसे में तीन स्कूल छात्रों की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे घायल हैं. पुलिस ने बताया कि हादसे के सही कारणों की जांच की जा रही है.



15 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा, 24 नवंबर. जिले में 48 लाख के इनामी 15 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें चार नक्सली बटालियन नंबर-1 के सदस्य हैं, जिसे संगठन की सबसे मजबूत और रणनीतिक बटालियन माना जाता है। आत्मसमर्पित बटालियन सदस्य ने कहा कि हिडमा के मारे जाने और लगातार चल रहे सुरक्षा बलों के ऑपरेशन से

बटालियन की स्थिति बुरी तरह कमजोर हो चुकी है। उसके अनुसार शीघ्र नेतृत्व डगमगा गया है, जंगलों में दबाव बढ़ रहा है और इसी कारण बड़ी संख्या में नक्सली संगठन छोड़कर वापस लौट रहे हैं. बता दें कि 31 मार्च 2026 तक नक्सल-मुक्त भारत के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए बस्तर के कटिन इलाकों में लगातार नए कैप खुल रहे हैं.